कार्यालय प्राचार्य शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र)

जी.ए.सी.सी. परिसर, भॅवरकुॅआ चौराहा, ए.बी.रोड़, इन्दौर (म.प्र)

दिनांक : 23/01/2021

Report – Latest Case Laws in Criminal Jurisprudence

आज दिनांक 23.01.2021 को शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय, इंदौर द्वारा **Latest Case Laws in Criminal Jurisprudence** विषय पर स्वामी विवेकानंद कॅरियर मागदर्शन योजना के अन्तर्गत डॉ. जी.सी. कासलीवाल मेमोरियल लेक्चर सीरिज के तहत वेबीनार आयोजित किया गया । इस वेबीनार में विभिन्न स्थानों से 350 से अधिक विद्यार्थी, अध्यापकगण एवं विधि से संबंधित विद्वानों ने भाग लिया एवं यू–टयूब से लगभग 650 व्यूअर जुड़े। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में **श्री विनय कुमार गुप्ता (A.D.P.O. Ujjain)** ने अपने उद्‌बोधन में विद्यार्थियों को आपराधिक विधिशास्त्र में नवीनतम वाद विधियों से संबंधित विषय पर जानकारी प्रदान की, जिसके अन्तर्गत उन्होनें सीआर.पी.सी. आई.पी.सी. एवं साक्ष्य विधि से संबंधित नवीनतम संशोधन एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्णित वाद विधियों का विस्तृत रूप से उल्लेख किया।

इस वेबीनार में शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय के **प्राचार्य एवं स्वामी विवेकानंद केरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संरक्षक डॉ. इनामुर्रहमान** द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में दंड प्रकिया संहिता में पीड़ितशास्त्र के तहत् हुए महत्वपूर्ण संशोधनों के बारे में एवं भारत में किस प्रकार से पीड़ितशास्त्र का विकास हुआ तथा विधायिका के द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता में संशोधन करके किस प्रकार पीड़ितशास्त्र को स्थान दिया गया । जिसमें प्राचार्य द्वारा विशेष रूप से धारा 357ए (सीआर.पी.सी.) के विधिशास्त्रीय विचारधारा का विस्तृत उल्लेख किया । जहां पर धारा 357–ए, 357–बी, 357–सी के अन्तर्गत पीडित पक्षकार को प्रतिकर देने का प्रावधान है जबकि इस धारा के आने से पहले पीड़ित पक्षकार को प्रतिकर देने का प्रावधान दंड प्रकिया संहिता में स्पष्ट रूप से नहीं था । प्राचार्य ने यह भी बताया कि भारत में आपराधिक विधियों के अन्तर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित मानवाधिकार के सार्वभौमिक मानक को कैसे विधायिका एवं सुप्रीम कोर्ट के द्वारा लागू किया गया है।

इस कार्यक्रम को आयोजित कराने में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के सदस्य प्रो. श्वेता जैन एवं सुहेल अहमद वाणी सर एवं तकनीकी सहायक राजेश वर्मा तथा शंभू मेहता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इस कार्यक्रम का संचालन बी.बी.ए.एलएल.बी. तृतीय वर्ष के छात्र आर्यन श्रीवास्तव एवं योगेश श्रीवास्तव द्वारा किया गया तथा अन्त में धन्यवाद ज्ञापन स्वामी विवेकानंद प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. विपिन मिश्रा द्वारा किया गया ।

23.1.2021

डॉ. इनामुर्रहमान
प्राचार्य
शा. नवीन विधि महाविद्यालय, इन्दौर
(म.प्र)